प्रश्नकोश

1. नवीं शताब्दी ई. में निम्नलिखित में से किसके द्वारा चोल साम्राज्य की नींव डाली गई?
(a) कृष्ण I (b) राजराज चोल
(c) विजयालय (d) परांतक
R.A.S./R.T.S (Pre) 2016

उत्तर–(c)

चोल साम्राज्य की स्थापना विजयालय ने की, जो आरंभ में पल्लवों का एक सामंती सरदार था। उसने 850 ई. में तंजौर (वर्तमान तंजावुर) को अपने अधिकार में कर लिया। इस समय पल्लवों एवं पाण्ड्यों में निरंतर संघर्ष चल रहा था। पाण्ड्यों की निर्बल स्थिति का लाभ उठाकर विजयालय ने तंजौर (वर्तमान तंजावुर) पर अधिकार जमा लिया तथा वहां उसने दुर्गा देवी का एक मंदिर बनवाया। विजयालय ने लगभग 871 ई. तक राज किया।

2. चोल वंश का संस्थापक कौन था?
(a) विजयालय
(b) करीकाल
(c) आदित्य प्रथम
(d) राजराजा प्रथम
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. निम्नलिखित में से किस मंदिर परिसर में एक भारी-भरकम नंदी की मूर्ति है, जिसे भारत की विशालतम नंदी मूर्ति माना जाता है?
(a) वृहदीश्वर मंदिर (b) लिंगराज मंदिर
(c) कंदरिया महादेव मंदिर (d) लेपाक्षी मंदिर
U.P.P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर–(a)

चोल स्थापत्य के उत्कृष्ट नमूने तंजौर (वर्तमान तंजावुर) के शैव मंदिर, जो राजराजेश्वर या वृहदीश्वर नाम से प्रसिद्ध हैं, का निर्माण राजराज प्रथम के काल में हुआ था। भारत के मंदिरों में सबसे बड़ा तथा लंबा यह मंदिर द्रविड़ शैली का सर्वोत्तम नमूना माना जा सकता है। इसका विशाल प्रांगण 500' × 250' के आकार का है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर दोनों ओर दो द्वारपालों की मूर्तियां बनी हैं। इस मंदिर के बहिर्भाग में नंदी की एकाश्म विशाल मूर्ति बनी है, जिसे भारत की विशालतम नंदी मूर्ति माना जाता है।

4. तंजौर का वृहदीश्वर मंदिर निर्मित हुआ था, शासनकाल में चोल सम्राट–
(a) परांतक प्रथम के (b) राजराज प्रथम के
(c) राजेंद्र प्रथम के (d) राजाधिराज प्रथम के
U.P.P.C.S. (Mains) 2008

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. चोलों का राज्य किस क्षेत्र में फैला था?
(a) विजयनगर क्षेत्र
(b) मालाबार तट
(c) होयसल
(d) कोरोमंडल तट, दक्कन के कुछ भाग
U.P.P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर–(d)

कृष्णा तथा तुंगभद्रा नदियों से लेकर कुमारी अंतरीप तक का विस्तृत भू-भाग प्राचीन काल में तमिल प्रदेश का निर्माण करता था। इसमें कोरोमंडल तट तथा दक्कन के कुछ भाग यथा–उरैयूर, कावेरीपट्टनम्, तंजावुर आदि चोलों के अधिकार में थे।

6. चोलों की राजधानी थी–
(a) कावेरीपत्तन (b) महाबलीपुरम्
(c) कांची (d) तंजौर
U.P. Lower Sub. (Pre) 2009

उत्तर–(d)

प्रश्नगत विकल्पों में चोलों की राजधानी तंजौर (वर्तमान तंजावुर) थी। इसके अतिरिक्त गंगैकोंडचोलपुरम् भी चोलों की राजधानी बनी थी। संगम काल में चोलों की राजधानी उरैयूर थी।

7. निम्नलिखित में कौन चोल प्रशासन की विशेषता थी?
(a) साम्राज्य का मंडलम में विभाजन
(b) ग्राम प्रशासन की स्वायत्तता
(c) राज्य के मंत्रियों को समस्त अधिकार
(d) कर संग्रह प्रणाली का सस्ता व उचित होना
U.P.P.C.S. (Pre) 1995

उत्तर–(b)

चोल शासन की सबसे उल्लेखनीय विशेषता वह असाधारण शक्ति तथा क्षमता है, जो स्वायत्तशासी ग्रामीण संस्थाओं के संचालन में परिलक्षित होती है। वस्तुतः इस काल में स्वायत्त शासन पूर्णतया ग्रामों में ही क्रियान्वित किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

8. चोल काल किसके लिए प्रसिद्ध था?

(a) ग्राम पंचायत (Village Assembly)

(b) राष्ट्रकूट राजवंश के साथ युद्ध

(c) श्रीलंका के साथ व्यापार

(d) तमिल संस्कृति की उन्नति

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. चोल युग प्रसिद्ध था, निम्न के लिए—

(a) धार्मिक विकास (b) ग्रामीण सभाएं

(c) राष्ट्रकूटों से युद्ध (d) लंका से व्यापार

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1993

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. किस दक्षिण भारतीय राज्य में उत्तम ग्राम प्रशासन था?

(a) चेर (b) चालुक्य

(c) चोल (d) वातापी

U.P.P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. किसकी प्रशासनीय प्रणाली की अद्वितीय विशेषता ग्राम स्वायत्तता का विकास थी?

(a) चेर (b) चोल

(c) पाण्ड्य (d) पल्लव

M.P.P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. कुशल ग्रामीण प्रशासन के लिए प्रसिद्ध राजवंश था—

(a) चोल (b) राष्ट्रकूट

(c) चालुक्य (d) पल्लव

M.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. कौन-सा मध्यकालीन भारतीय साम्राज्य व्यापक स्तर पर स्थानीय स्वशासन के लिए प्रसिद्ध था?

(a) चालुक्य (b) चोल

(c) सोलंकी (d) परमार

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. (Pre) 2020

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. चोलों के अधीन ग्राम प्रशासन के बहुत से ब्यौरे जिन शिलालेखों में हैं, वे कहां हैं?

(a) तंजावुर (b) उरैयूर

(c) कांचीपुरम (d) उत्तर मेरूर

I.A.S. (Pre) 1993

उत्तर—(d)

चोलों के अधीन ग्राम प्रशासन में ग्राम सभा की कार्यकारिणी समितियों की कार्यप्रणाली का विस्तृत विवरण हम उत्तर मेरूर से प्राप्त लेखों के माध्यम से प्राप्त करते हैं। प्रत्येक ग्राम में अपनी सभा होती थी, जो प्रायः केंद्रीय नियंत्रण से मुक्त होकर स्वतंत्र रूप से ग्राम शासन का संचालन करती थी।

15. चोल शासकों के शासनकाल में निम्नलिखित में से कौन-सा वारियम् उद्यान प्रशासन का कार्य देखता था?

(a) पोन वारियम् (b) एरि वारियम्

(c) टोट्ट वारियम् (d) सम्वत्सर वारियम्

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2013

उत्तर—(c)

चोलकालीन गांवों के गतिविधियों की देख-रेख एक कार्यकारिणी समिति करती थी, जिसे 'वारियम्' कहा जाता था। उद्यान प्रशासन का कार्य देखने वाली समिति को 'टोट्ट वारियम्' कहा जाता था, जबकि सम्वत्सर वारियम् को वार्षिक समिति, एरि वारियम् को तालाब समिति तथा पोन वारियम् को स्वर्ण समिति कहते थे।

16. निम्न कथनों पर विचार कीजिए—

1. चोलों ने पाण्ड्य तथा चेर शासकों को पराजित कर प्रायद्वीपीय भारत पर प्रारंभिक मध्यकालीन समय में अपना प्रभुत्व स्थापित किया।

2. चोलों ने दक्षिण-पूर्वी एशिया के शैलेंद्र साम्राज्य के विरुद्ध सैन्य चढ़ाई की तथा कुछ क्षेत्रों को जीता।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) दोनों 1 और 2 (d) दोनों में से कोई भी नहीं

I.A.S. (Pre) 2003

उत्तर—(c)

Scanned with OKEN Scanner

द्रविड़ देश में चोल आधिपत्य की स्थापना वस्तुतः परांतक प्रथम ने की थी। उसने मदुरा के पाण्ड्य राजा को हराकर 'मदुरैकोंड उपाधि' धारण की। राजराज I तंजौर (वर्तमान तंजावुर) अभिलेख के अनुसार, सिंहल (श्रीलंका) के राजा महेंद्र पंचम् ने पाण्ड्य, केरल (चेर) के राजाओं का एक संघ बनाया, जो चोल नरेश राजराज प्रथम के विरुद्ध था। इस संघ का भेदन करने के लिए राजराज प्रथम ने सबसे पहले चेर राज्य (केरल) पर आक्रमण किया और कंडलूर के मैदान में परास्त किया। राजराज I एवं उसके पुत्र राजेंद्र I ने दक्षिणी-पूर्वी एशिया के शैलेंद्र साम्राज्य के विरुद्ध सैन्य चढ़ाई की तथा कुछ क्षेत्रों को जीत लिया। अतः दोनों कथन सही हैं।

17. चोल काल में निर्मित नटराज की कांस्य प्रतिमाओं में देवाकृति प्रायः -

(a) अष्टभुज है (b) षड्भुज है

(c) चतुर्भुज है (d) द्विभुज है

I.A.S. (Pre) 1995

उत्तर–(c)

चोल कलाकारों ने तक्षण कला में भी सफलता प्राप्त की है। उन्होंने पत्थर तथा धातु की बहुसंख्यक मूर्तियों का निर्माण किया। पाषाण मूर्तियों से भी अधिक धातु (कांस्य) मूर्तियों का निर्माण हुआ। सर्वाधिक सुंदर मूर्तियां नटराज (शिव) की हैं, जो बड़ी संख्या में मिली हैं। इन्हें विश्व की श्रेष्ठतम प्रतिमा-रचनाओं में शामिल किया जाता है। ये मूर्तियां प्रायः चतुर्भुज हैं।

18. निम्नलिखित में से किसको दक्षिण भारत के विशेषकर चोल युग के स्थापत्यों की विश्व में श्रेष्ठतम प्रतिमा-रचना माना जाता है?

(a) महिषासुरमर्दिनी (b) नटराज

(c) राम (d) सोमस्कंद

I.A.S. (Pre) 1993

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. चोल शासकों के समय में बनी हुई प्रतिमाओं में सबसे अधिक विख्यात हुई–

(a) पत्थर की प्रतिमाएं

(b) संगमरमर की प्रतिमाएं

(c) विष्णु भगवान की पत्थर की शिलाओं पर अंकित प्रतिमाएं

(d) नटराज शिव की कांसे की प्रतिमाएं

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1994

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. नटराज की प्रसिद्ध कांस्य मूर्ति किस कला का उदाहरण है?

(a) चोल कला का (b) गांधार कला का

(c) गुप्त कला का (d) मौर्य कला का

U.P.P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. शिव की 'दक्षिणामूर्ति' प्रतिमा उन्हें किस रूप में प्रदर्शित करती है?

(a) शिक्षक (b) नृत्य करते हुए

(c) विश्राम करते हुए (d) ध्यानमग्न

U.P. P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(a)

शिव की 'दक्षिणामूर्ति' प्रतिमा उन्हें गुरु (शिक्षक) के रूप में प्रदर्शित करती है। इस रूप में शिव अपने भक्तों को सभी प्रकार का ज्ञान प्रदान करते हुए माने गए हैं। इस रूप में शिव की दक्षिण दिशा में मुख किए हुए प्रतिमा स्थापित की गई है।

22. 'नटराज नृत्य के भगवान' की मूर्ति के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

1. यह मूर्ति नृत्य करते हुए चार हाथों वाले शिव का प्रतिनिधित्व करती है।

2. अपने दाएं कान में, वह एक पुरुष का कुंडल पहने हैं, बाएं में एक महिला का।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट :

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) दोनों 1 और 2 (d) न तो 1 और ना ही 2

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2021

उत्तर–(c)

भगवान शिव की नटराज मुद्रा की मूर्ति नृत्य करते हुए चार हाथों वाले शिव का प्रतिनिधित्व करती है। इस मूर्ति में उनके ऊपरी दाएं हाथ में डमरू (सृजन का प्रतीक) और ऊपरी बाएं हाथ में अग्नि (विनाश का प्रतीक) प्रदर्शित है। उनका दूसरा दाहिना हाथ अभय मुद्रा प्रदर्शित कर रहा है, जबकि दूसरा बायां हाथ उनके उठे हुए बाएं पैर की ओर इशारा कर रहा है, जो कि मोक्ष मार्ग का प्रतीक है। नटराज की इस मूर्ति में शिव को 'अर्द्धनारीश्वर' के रूप में दाहिने कान में पुरुष का कुंडल और बाएं कान में महिला का कुंडल पहने प्रदर्शित किया गया है।

Scanned with OKEN Scanner

23. 72 व्यापारी, चीन में किसके कार्यकाल में भेजे गए थे?
(a) कुलोत्तुंग-I (b) राजेंद्र-I
(c) राजराज-I (d) राजाधिराज-I

U.P.P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर—(a)

चोल शासक कुलोत्तुंग-I के शासनकाल में 1077 ई. में 72 सौदागरों का एक चोल दूत मंडल चीन भेजा गया था।

24. निम्न में से दक्षिण भारत का कौन-सा राजवंश अपनी नौसैनिक शक्ति के लिए प्रसिद्ध था?
(a) चोल (b) चेर
(c) पल्लव (d) राष्ट्रकूट

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1993
U.P. P.C.S. (Pre) 1992
U.P. P.C.S. (Pre) 2004

उत्तर—(a)

चोल राजाओं ने एक विशाल संगठित सेना का निर्माण किया था। चोलों के पास अश्व, गज एवं पैदल सैनिकों के साथ ही साथ एक अत्यंत शक्तिशाली नौसेना भी थी। इसी नौसेना की सहायता से उन्होंने श्रीविजय, सिंहल, मालदीव आदि द्वीपों की विजय की थी।

25. निम्नांकित राजवंशों में से किसके शासक अपने शासनकाल में ही अपना उत्तराधिकारी घोषित कर देते थे?
(a) चालुक्य (b) चोल
(c) कदंब (d) कलचुरि

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2001

उत्तर—(*)

प्राचीन हिंदू राजवंशों के सभी सम्राट प्रायः अपने जीवन काल में ही युवराज का चुनाव कर लेते थे, जो उसके बाद उसका उत्तराधिकारी बनता था। यह प्रवृत्ति चोल वंश में सर्वाधिक दिखाई देती है।

26. निम्नलिखित चोल शासकों में जिसने बंगाल की खाड़ी को 'चोल झील' का स्वरूप प्रदान कर दिया, वह कौन था?
(a) राजराज प्रथम
(b) राजेंद्र प्रथम
(c) अधिराज
(d) कुलोत्तुंग

U.P. P.C.S. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर—(b)

राजराज प्रथम की मृत्यु के बाद उसका योग्यतम पुत्र राजेंद्र प्रथम सम्राट बना। उसने अपने पिता की साम्राज्यवादी नीति को आगे बढ़ाया। राजेंद्र प्रथम का काल चोल शक्ति का चरमोत्कर्ष काल था। राजेंद्र प्रथम के बारे में कहा गया है कि उसने बंगाल की खाड़ी को 'चोल झील' का स्वरूप प्रदान कर दिया था। 1017 ई. में उसने संपूर्ण सिंहल द्वीप (श्रीलंका) को जीत लिया तथा सिंहल राजा महेंद्र पंचम को बंदी बनाकर चोल राज्य में लाया। उसने पवित्र गंगा जल लाने के उद्देश्य से गंगा घाटी में अभियान किया तथा पाल शासक महीपाल को पराजित किया। इस विजय के उपलक्ष्य में उसने 'गंगैकोंड' की उपाधि ग्रहण की तथा 'गंगैकोंडचोलपुरम्' नामक नई राजधानी की स्थापना की। नवीन राजधानी के निकट ही उसने सिंचाई के लिए 'चोलगंगम्' नामक विशाल तालाब का भी निर्माण कराया।

27. 'गंगैकोंडचोलपुरम्' की स्थापना किसने की थी?
(a) राजराज I (b) राजाधिराज
(c) राजेंद्र I (d) विजयादित्य

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2008

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

28. निम्नलिखित में से किस चोल शासक को चोलगंगम् नामक वृहद कृत्रिम झील बनवाने का श्रेय दिया जाता है?
(a) राजराज प्रथम (b) राजेंद्र
(c) राजाधिराज (d) राजराज द्वितीय

U.P.P.C.S (Mains) 2016

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

29. किस चोल राजा ने जल सेना प्रारंभ की थी?
(a) राजेंद्र चोल (b) परांतक चोल
(c) राजराज प्रथम (d) राजराज द्वितीय
(e) इनमें से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर—(c)

चोल साम्राज्य की महत्ता का वास्तविक संस्थापक परांतक द्वितीय (सुंदर चोल) का पुत्र अरिमोलिवर्मन था, जो 985 ई. में 'राजराज' के नाम से गद्दी पर बैठा। यह विजेता के साथ-साथ कुशल प्रशासक तथा महान निर्माता भी था। राजराज प्रथम ने एक स्थायी सेना तथा विशाल नौसेना का गठन किया। उसने समस्त भूमि की नाप कराई।

Scanned with OKEN Scanner

30. चोल शासक का नाम बताइए, जिसने श्रीलंका के उत्तरी भाग पर विजय प्राप्त की।

(a) राजराज प्रथम (b) राजेंद्र प्रथम

(c) परांतक प्रथम (d) आदित्य प्रथम

U.P.P.C.S. (Mains) 2014

उत्तर—(a)

चोल शासक राजराज प्रथम ने सिंहल (श्रीलंका) पर आक्रमण करके उत्तरी सिंहल को जीतकर अपने राज्य में मिला लिया। विजित क्षेत्र में राजराज ने अनुराधापुर को नष्ट कर पोलोन्नरुवा को इस क्षेत्र की राजधानी बनाया और इसका नाम 'जननाथ मंगलम्' रखा। राजराज शैव मतावलम्बी था, उसने 'शिवपादशेखर' की उपाधि धारण की थी।

31. चोल राजाओं में किस एक ने सीलोन (Ceylon) पर विजय प्राप्त की थी?

(a) आदित्य I (b) राजराज I

(c) राजेंद्र I (d) विजयालय

I.A.S. (Pre) 2001

उत्तर—(c)

चोल राजा राजेंद्र प्रथम ने सिंहल द्वीप या श्रीलंका विजय (सीलोन-श्रीलंका) का कार्य पूर्ण किया था। यद्यपि राजराज I ने भी श्रीलंका पर आक्रमण कर वहां के कुछ प्रदेशों पर अपना अधिकार कर लिया था, किंतु संपूर्ण श्रीलंका पर उसका अधिकार नहीं हो पाया था। राजेंद्र प्रथम ने वहां के शासक महेंद्र पंचम को बंदी बनाकर चोल राज्य भेज दिया, जहां 12 वर्ष बाद उसकी मृत्यु हो गई। संपूर्ण श्रीलंका पर राजेंद्र प्रथम का अधिकार हो गया था।

32. वह चोल राजा कौन था, जिसने श्रीलंका को पूर्ण स्वतंत्रता दी और सिंहल राजकुमार के साथ अपनी पुत्री का विवाह कर दिया था?

(a) कुलोत्तुंग I (b) राजेंद्र I

(c) अधिराजेंद्र (d) राजाधिराज I

U.P.P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर—(a)

कुलोत्तुंग प्रथम के समय में श्रीलंका के राजा विजयबाहु ने अपनी स्वतंत्रता घोषित की। किंतु कुलोत्तुंग प्रथम ने श्रीलंका में चोल प्रभाव की समाप्ति के प्रति किसी कटुता का प्रदर्शन नहीं किया तथा उसने अपनी पुत्री का विवाह श्रीलंका के राजकुमार वीरप्पेरुमाल के साथ कर दिया।

33. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है-

कथन (A) : हमें चोलों के विषय में उनके पूर्ववर्ती राजवंशों की अपेक्षा अधिक जानकारी है।

कारण (R) : चोल शासकों ने मंदिरों की दीवारों पर अभिलेख उत्कीर्ण करने का चलन प्रारंभ किया, जिनमें उनकी विजयों के ऐतिहासिक विवरण दिए जाते थे।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) (A) सत्य है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

U.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर—(a)

चोलों के विषय में हमें उनके पूर्ववर्ती राजवंशों की अपेक्षा अधिक जानकारी है। राजराज प्रथम एवं राजेंद्र प्रथम ने मंदिरों की ऐतिहासिक दीवारों पर शिलालेख स्थापित किए। राजराज प्रथम ने अभिलेखों द्वारा अपने पूर्वजों के इतिहास को संकलित करने एवं अपने काल की घटनाओं और विजयों को लेखों में जोड़ने की प्रथा का प्रारंभ किया। इसका अनुकरण बाद के राजाओं ने किया। अतः स्पष्ट है कि कथन और कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

34. भारत के इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

	शब्द		विवरण
1.	एरिपत्ति	—	भूमि, जिससे मिलने वाला राजस्व अलग से ग्राम जलाशय के रख-रखाव के लिए निर्धारित कर दिया जाता था।
2.	तनियूर	—	एक अकेले ब्राह्मण अथवा एक ब्राह्मण समूह को दान में दिए गए ग्राम
3.	घटिका	—	प्रायः मंदिरों के साथ संबद्ध विद्यालय

उपर्युक्त में से कौन-सा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(a) 1 और 2 (b) केवल 3

(c) 2 और 3 (d) 1 और 3

I.A.S. (Pre) 2016

उत्तर—(d)

एरिपत्ति चोल प्रशासन के अंतर्गत वह भूमि होती थी, जिससे मिलने वाला राजस्व अलग से ग्राम जलाशय के रख-रखाव के लिए निर्धारित कर दिया जाता था। 7वीं, 8वीं सदी में दक्षिण भारत में घटिका प्रायः मंदिरों के साथ संबद्ध विद्यालय थे। चोल कालीन स्थानीय प्रशासन में बड़े नगरों में अलग कुर्रम (ग्राम संघ) गठित किए जाते थे, जिन्हें 'तनियूर' अथवा 'तकुर्रम' कहा जाता था।

Scanned with OKEN Scanner

35. निम्न में से कौन-सी संस्था विदेशी व्यापार से संबंधित थी?

(a) श्रेणी (b) नगरम

(c) नानादेशि (d) मणिग्राम

U.P.P.C.S. (Pre) 2018

उत्तर–(c&d)

'श्रेणी' एक ही प्रकार के व्यवसाय करने वाले लोगों की समिति होती थी। 'नगरम' व्यापारियों के स्थानीय संगठनों को कहा जाता था। इस प्रकार के संगठन कांची तथा मामल्लपुरम् में विद्यमान थे। लेखों से हमें विभिन्न व्यापारिक संघों के विषय में जानकारी प्राप्त होती है। ये व्यापारी संघ हैं- मणिग्रामम्, नानादेशिस (नानादेशि), वलैंग, बलंजियर, इदंगै आदि। माणिग्रामम्, नानादेशिस दूसरे देशों के साथ भी व्यापार करते थे।

36. प्राचीन भारत का निम्नलिखित में से कौन-सा महत्वपूर्ण व्यापार केंद्र उस व्यापार मार्ग पर था, जो कल्याण को वेंगी से जोड़ता था?

(a) तगर (b) श्रीपुर

(c) त्रिपुरी (d) ताम्रलिप्ति

I.A.S. (Pre) 1994

उत्तर–(a)

तगर प्राचीन भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र था, यह कल्याण तथा वेंगी के मध्य स्थित था।

37. चालुक्य वंश का सबसे महान शासक कौन था?

(a) विक्रमादित्य (b) मंगलेश

(c) पुलकेशिन द्वितीय (d) पुलकेशिन प्रथम

U.P.P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर–(c)

पुलकेशिन द्वितीय चालुक्य वंश के शासकों में सर्वाधिक योग्य तथा शक्तिशाली था। उसने 610 ई. से 642 ई. तक शासन किया। उसकी उपलब्धियों का विवरण हमें ऐहोल अभिलेख से प्राप्त होता है।

38. निम्नलिखित में से किस वंश द्वारा प्रायः महिलाओं को प्रशासन में उच्च पद प्रदान किए जाते थे?

(a) चोल (b) चालुक्य

(c) पाल (d) सेन

U.P.P.C.S. (Mains) 2007

उत्तर–(b)

चालुक्यों के शासनकाल में प्रायः महिलाओं को उच्च पदों पर नियुक्त किया जाता था। विक्रमादित्य प्रथम के भाई चंद्रादित्य की रानी विजय भट्टारिका ने अपने नाम से दो ताम्रपत्र लिखवाए थे। वह एक अच्छी कवयित्री भी थी। विक्रमादित्य ने अपनी छोटी बहन कुमकुम देवी के कहने पर एक विद्वान ब्राह्मण को एक गांव दान में दिया था। कीर्तिवर्मन द्वितीय की महारानी महादेवी के उसके साथ रक्तपुर के स्कंधावार में उपस्थित रहने का उल्लेख मिलता है। इस वंश की विजय भट्टारिका ने कुशलतापूर्वक शासन संचालित किया था।

39. चालुक्यों की राजधानी कहां थी?

(a) वातापी (b) श्रावस्ती

(c) कांची (d) कन्नौज

U.P.P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर–(a)

बीजापुर (कर्नाटक) जिले के वातापी नामक प्राचीन नगर का आधुनिक नाम बादामी है। छठी-सातवीं शताब्दी ई. में यह चालुक्यों की राजधानी थी। वातापी के चालुक्य राजवंश का वास्तविक संस्थापक पुलकेशिन प्रथम था।

40. कवि कालिदास के नाम का उल्लेख किसमें हुआ है?

(a) इलाहाबाद स्तंभ लेख में (b) ऐहोल के उत्कीर्ण लेख में

(c) अलपादुदान लेख में (d) हनुमकोंडा उत्कीर्ण लेख में

I.A.S. (Pre) 1994

उत्तर–(b)

ऐहोल प्रशस्ति बादामी के शासक पुलकेशिन II के इतिहास को जानने का एक सशक्त माध्यम है। इस लेख की भाषा संस्कृत तथा लिपि दक्षिण ब्राह्मी है। इस लेख की रचना रविकीर्ति ने की थी। प्रशस्ति के अंत में लेखक ने यह दावा किया है कि उसने इसे लिखकर कालिदास तथा भारवि के समान यश प्राप्त किया है। अतः इस अभिलेख में कालिदास के नाम का उल्लेख हुआ है।

41. संस्कृत के कवि और नाटककार कालिदास का उल्लेख हुआ है-

(a) पुलकेशिन II के ऐहोल अभिलेख में

(b) मिहिरभोज के ग्वालियर अभिलेख में

(c) कुमारगुप्त I के करमदंडा शिवलिंग अभिलेख में

(d) चंद्रगुप्त II के मथुरा स्तंभ लेख में

U.P.P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

42. किस शासक ने सिंहल द्वीप के विरुद्ध 642 ई. में दो समुद्री अभियान भेजा था?

(a) राजाराम (b) नरसिंह वर्मन I

(c) कीर्ति वर्मन I (d) जयसिंह I

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2016

उत्तर–(b)

नरसिंह वर्मन I (630-668 ई.) पल्लव वंशीय शासक था। 642 ई. में चालुक्यों के विरुद्ध युद्ध में नरसिंह वर्मन को लंका के एक राजकुमार मानवर्मा से सहायता मिली थी। अतः उसने मानवर्मा को पुनः सिंहल की गद्दी दिलाने के लिए शक्तिशाली नौसेना को दो बार उसकी सहायता हेतु सिंहल द्वीप भेजा।

Scanned with OKEN Scanner

43. **प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में प्राप्य 'यवनप्रिय' शब्द द्योतक था—**

(a) एक प्रकार के उत्कृष्ट भारतीय मलमल का

(b) हाथी दांत का

(c) नृत्य के लिए यवन राजसभा में भेजी जाने वाली नर्तकियों का

(d) काली मिर्च का

I.A.S. (Pre) 1995

उत्तर—(d)

भारतीय काली मिर्च यूनानियों एवं रोमवासियों को बहुत प्रिय थी, इसलिए प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में इसे 'यवनप्रिय' कहा गया है। इसकी यूनान एवं रोम में बहुत अधिक मांग थी।

44. **'हल्बी' किस भाषा परिवार से संबद्ध है?**

(a) आर्य (b) द्रविड़

(c) मुंडारी (d) इनमें से कोई नहीं

Chhattisagarh P.C.S. (Pre) 2018

उत्तर—(a)

हल्बी भाषा छत्तीसगढ़, ओडिशा एवं आंध्र प्रदेश आदि भू-भागों में बोली जाने वाली भाषा है जो कि इंडो -आर्यन भाषा परिवार का हिस्सा है। इसे ओडिया एवं मराठी भाषा की विकास यात्रा के मध्य संक्रमण कालीन भी माना जाता है।

45. **तोल्काप्पियम ग्रंथ संबंधित है—**

(a) प्रशासन से (b) विधि से

(c) व्याकरण और काव्य से (d) उपर्युक्त सभी से

U.P.P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर—(c)

'तोल्काप्पियम' के प्रणयनकर्ता तोल्काप्पियर ऋषि अगस्त्य के बारह योग्य शिष्यों में से एक थे। यह एक तमिल व्याकरण ग्रंथ है। इसकी रचना सूत्र शैली में की गई है।

46. **संगम साहित्य में 'तोल्काप्पियम' एक ग्रंथ है—**

(a) तमिल कविता का (b) तमिल व्याकरण का

(c) तमिल वास्तुशास्त्र का (d) तमिल राजशास्त्र का

U.P.P.C.S. (Mains) 2014

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

47. **शिलप्पादिकारम का लेखक था—**

(a) इलंगो (b) परणर

(c) करिकाल (d) विष्णुस्वामिन

U.P.P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर—(a)

'शिलप्पादिकारम' का लेखक इलंगो आडिगल था। यह संगम साहित्य का महत्वपूर्ण महाकाव्य है। इसका लेखक चोल नरेश करिकाल का पौत्र था।

48. **सूची-I के पदों को सूची-II के पदों के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए कूटों से सही उत्तर चुनिए :**

सूची-I	सूची-II
A. तिरुक्कुरल	1. प्रेम कथा
B. तोल्काप्पियम	2. दर्शन
C. शिल्पादिकारम	3. वणिक कथा
D. मणिमेकलै	4. व्याकरण

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	4	3
(b)	2	3	4	1
(c)	4	2	3	1
(d)	2	4	1	3

U.P.P.S.C. (R.I.) 2014

उत्तर—(d)

सूची-I और सूची-II का सही सुमेलन है—

सूची-I	सूची-II
तिरुक्कुरल	दर्शन
तोल्काप्पियम	व्याकरण
शिल्पादिकारम	प्रेम कथा
मणिमेकलै	वणिक कथा

49. **शैव संतों के लेखन के संग्रह को पांचवां वेद भी समझा जाता है। उपर्युक्त संग्रह का क्या नाम है?**

(a) तोल्काप्पियम (b) शिल्पादिकारम

(c) मणिमेकलै (d) तिरुमुराय

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर—(d)

शैव संतों के लेखन के संग्रह 'तिरुमुराय' (Tirumurai) को पांचवां वेद भी समझा जाता है। 'तिरुमुराय' तमिल भाषा में शिव की स्तुति में 6वीं से 11वीं शताब्दी तक तमिलनाडु के विभिन्न कवियों द्वारा गीतों या भजनों का बारह-खंड का संकलन है। वेदों तथा शैव आगमों के साथ 'तिरुमुराय' तमिलनाडु में शैव सिद्धांत दर्शन का आधार है।

Scanned with OKEN Scanner

50. प्राचीन दक्षिण भारत में संगम साहित्य के बारे में, निम्नलिखित कथनों में कौन-सा एक सही है?

(a) संगम कविताओं में भौतिक संस्कृति का कोई संदर्भ नहीं है।

(b) वर्ण का सामाजिक वर्गीकरण संगम कवियों को ज्ञात था।

(c) संगम कविताओं में समर शौर्य का कोई संदर्भ नहीं है।

(d) संगम साहित्य में जादुई ताकतों को असंगत बताया गया है।

I.A.S. (Pre) 2022

उत्तर–(b)

संगम साहित्य, तमिल साहित्य का सबसे प्राचीन उपलब्ध अंश है। संगम काल में रचित कविताओं से तत्कालीन दक्षिण भारत की सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक आदि दशाओं का ज्ञान होता है। संगम कविताओं के माध्यम से हमें तत्कालीन दक्षिण भारत की भौतिक संस्कृति का भी ज्ञान होता है। वर्ण का सामाजिक वर्गीकरण संगम कवियों को ज्ञात था। तमिल समाज उत्तर भारतीय समाज की भांति वर्गभेद पर आधारित था, जबकि संगम कविताओं में समर शौर्य के वर्णन के साथ-साथ जादुई ताकतों में भी विश्वास व्यक्त किया गया है।

51. ईसा की प्रारंभिक शताब्दियों में भारत तथा रोम के बीच घनिष्ठ व्यापारिक संबंधों की सूचना किस पुरास्थल की खुदाइयों से प्राप्त होती है?

(a) मदुरै (b) ताम्रलिप्ति

(c) तोंडी (d) अरिकामेडु

U.P.P.C.S. (Pre) 2001

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2002

U.P.P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर–(d)

अरिकामेडु भारत के पूर्वी तट पर स्थित एक प्राचीन पुरातात्विक स्थल है। पेरिप्लस में इसे 'पोडुके' कहा गया है। यहां ईसा की प्रारंभिक शताब्दियों में रोमन बस्ती की अवस्थिति मानी जाती है। यहां से प्राप्त अवशेषों में कई रोमन वस्तुएं प्राप्त हुई हैं, जिनमें शराब के दो हत्थे युक्त कलश, रोमन लैम्प, रोमन प्याला आदि प्रमुख हैं। इससे भारत तथा रोम के घनिष्ठ व्यापारिक संबंधों की सूचना मिलती है।

52. पूर्वी भारत में प्रमुख भारतीय-रोमन व्यापारिक स्थान था–

(a) राजगीर (b) अरिकामेडु

(c) भाग्रपीर (d) तामलुक

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

53. निम्नलिखित में से कौन-सा बंदरगाह पोडुके नाम से 'दी पेरिप्लस ऑफ दी इरिथ्रियन सी' के लेखक को ज्ञात था?

(a) अरिकामेडु (b) ताम्रलिप्ति

(c) कोरके (d) बारबेरिकम

U.P. P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

54. रोमन बस्ती कहां से प्राप्त हुई है?

(a) कालीबंगा (b) अरिकामेडु

(c) रंगपुर (d) सतारा

U.P. Lower Sub. (Pre) 2009

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

55. एम्फोरा जार होता है, एक-

(a) छिद्रयुक्त जार

(b) लंबा एवं दोनों तरफ हत्थेदार जार

(c) चित्रित धूसर जार

(d) काला और लाल मिट्टी का जार

U.P.P.S.C. (R.I.) 2014

उत्तर–(b)

एम्फोरा जार एक लंबी एवं संकीर्ण गर्दन वाला और दोनों तरफ हत्थेदार जार है। प्राचीन काल में इसका प्रयोग तेल या शराब को रखने के लिए किया जाता था। अरिकामेडु के उत्खनन से रोम आयातित इस जार के अवशेष मिले हैं।

56. निम्नलिखित राजवंशों में किसका उल्लेख संगम साहित्य में नहीं हुआ है?

(a) कदंब (b) चेर

(c) चोल (d) पाण्ड्य

41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर–(a)

संगम साहित्य में केवल चोल, चेर एवं पाण्ड्य राजाओं के बारे में विवरण प्राप्त होता है। इन राज्यों के विविध राजाओं के शासनकाल का स्पष्ट निर्धारण संभव न होने पर भी संगम साहित्य से कृष्णा नदी के दक्षिण में सुदूर प्रायद्वीप तक विभिन्न गतिविधियों पर पर्याप्त प्रकाश पड़ता है। कदंब या अन्य किसी राजवंश का उल्लेख संगम साहित्य में नहीं है।

Scanned with OKEN Scanner

57. निम्नलिखित में से कौन एक तमिल देश के संगम युग का राजवंश नहीं था?

(a) चेर (b) चोल

(c) पल्लव (d) पाण्ड्य

U.P.U.D.A./L.D.A. (Mains) 2010

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

58. धार्मिक कविताओं का संकलन 'कुरल' किस भाषा में है?

(a) ग्रीक (b) तमिल

(c) तेलुगू (d) पालि

M.P.P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(b)

'कुरल' तमिल साहित्य का 'बाइबिल' तथा 'लघुवेद' माना जाता है। इसे 'मुप्पाल' भी कहा जाता है। इसकी रचना सुप्रसिद्ध कवि तिरुवल्लुवर ने की थी। अनुश्रुतियों के अनुसार, तिरुवल्लुवर ब्रह्मा के अवतार थे।

59. निम्नलिखित तमिल ग्रंथों में किसे 'लघुवेद' की संज्ञा दी गई है?

(a) नन्दिकलम्बकम् (b) कलिंगत्तुपर्णि

(c) पेरियपुराणम् (d) कुरल

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2013

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

60. निम्नलिखित में से कौन तमिल रामायणम या रामावतारम का लेखक था?

(a) कंबन (b) कुट्टन

(c) नन्नय (d) टिक्कण

U.P.U.D.A./L.D.A. (Mains) 2010

उत्तर–(a)

कंबन द्वारा रचित कंब रामायणम या रामावतारम तमिल भाषा में है।

61. मध्यकालीन भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. तमिल क्षेत्र के सिद्ध (सित्तर) एकेश्वरवादी थे तथा मूर्तिपूजा की निंदा करते थे।

2. कन्नड़ क्षेत्र के लिंगायत पुनर्जन्म के सिद्धांत पर प्रश्नचिह्न लगाते थे तथा जाति अधिक्रम को अस्वीकार करते थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

I.A.S. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

तमिल क्षेत्र के सिद्ध (सित्तर) एकेश्वरवादी थे तथा मूर्तिपूजा की निंदा करते थे। लिंगायतों ने जाति की अवधारणा तथा कुछ समुदायों के 'दूषित' होने की ब्राह्मणीय अवधारणा का विरोध किया। इनका विश्वास था कि मरणोपरांत भक्त शिव में लीन हो जाएंगे तथा इस संसार में पुनः नहीं लौटेंगे। इन्होंने पुनर्जन्म के सिद्धांत को नकार दिया था।

62. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I	सूची-II
A. गुप्त	1. बादामी
B. चंदेल	2. पनमलै
C. चालुक्य	3. खजुराहो
D. पल्लव	4. देवगढ़

कूट :

(a) A-4, B-3, C-1, D-2 (b) A-4, B-2, C-3, D-1

(c) A-2, B-3, C-4, D-1 (d) A-3, B-4, C-1, D-2

I.A.S. (Pre) 1997

उत्तर–(a)

सूची-I और सूची-II का सही सुमेलन है -

सूची-I		सूची-II
गुप्त	–	देवगढ़
चंदेल	–	खजुराहो
चालुक्य	–	बादामी
पल्लव	–	पनमलै

उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में देवगढ़ नामक स्थान पर गुप्तकालीन दशावतार मंदिर स्थित है। खजुराहो (छतरपुर, म.प्र.) में चंदेल शासकों की कला के इतिहास का प्रसिद्ध उदाहरण आज भी विद्यमान हैं। यहां के मंदिर विष्णु, शिव तथा जैन धर्म से संबंधित हैं। इनमें सर्वाधिक प्रसिद्ध कंदरिया महादेव मंदिर है। बादामी (कर्नाटक स्थित) चालुक्यों की राजधानी थी एवं पनमलै पल्लवों से संबंधित है।

63. निम्नलिखित में से कौन-सा एक प्राचीन भारत में व्यापारियों का निगम था?

(a) चतुर्वेदीमंगलम् (b) परिषद

(c) अष्टदिग्गज (d) मणिग्रामम्

I.A.S. (Pre) 1997

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

दक्षिण भारत में नगरों में व्यापारियों के विभिन्न संगठन थे, जैसे-मणिग्रामम्, वलंजीयर आदि। चोल काल में ब्राह्मणों को दान में दिए गए ग्राम को चतुर्वेदिमंगलम् कहा जाता था।

64. दक्षिणी भारत का प्रसिद्ध 'तक्कोलम का युद्ध' हुआ था—

(a) चोल एवं उत्तर चालुक्यों के मध्य

(b) चोल एवं राष्ट्रकूटों के मध्य

(c) चोल एवं होयसल के मध्य

(d) चोल एवं पाण्ड्यों के मध्य

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2001

उत्तर—(b)

चोल शासक परांतक I के अंतिम दिनों में राष्ट्रकूट शासक कृष्णा III ने पश्चिमी गंगों (बुत्तुग II) की सहायता से तक्कोलम के युद्ध में चोलों को परास्त किया और तंजौर (वर्तमान तंजावुर) पर अधिकार कर लिया। कृष्ण III ने इस उपलक्ष्य में 'तंजैयुकोंड' की उपाधि धारण की थी।

65. चोल साम्राज्य को अंततः किसने समाप्त किया?

(a) महमूद गजनवी ने (b) बख्तियार खिलजी ने

(c) मुहम्मद गौरी ने (d) मलिक काफूर ने

U. P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर—(*)

1250 ई. के आस-पास होयसल और पाण्ड्य राज्य ने चोल राजा राजेंद्र तृतीय को परास्त कर दिया था। चोल राजा पाण्ड्यों की अधीनता में लगभग 1279 ई. तक शासन करते रहे। उसके पश्चात चोल राज्य के स्वतंत्र अस्तित्व का कोई प्रमाण नहीं मिलता। मलिक काफूर ने लगभग 1310 ई. में दक्षिण विजय की थी, जिसमें उसने यादव, काकतीय, होयसल, पाण्ड्य आदि राजाओं को जीता था। फिर भी प्रश्नानुसार इसका निकटतम उत्तर विकल्प (d) हो सकता है।

66. संगम युग में 'उरैयूर' किसलिए विख्यात था?

(a) मसालों के व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र

(b) कपास के व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र

(c) विदेशी व्यापार का महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र

(d) आंतरिक व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर—(b)

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में कावेरी नदी के तट पर अवस्थित 'उरैयूर' संगम कालीन महत्वपूर्ण नगर था। संगम युग में 'उरैयूर' सूती वस्त्रों का बहुत बड़ा केंद्र था। इसका विवरण 'पेरिप्लस ऑफ दी एरीथ्रियन सी' में मिलता है।

67. उदियंजीरल किस वंश से संबंधित था?

(a) चेर वंश (b) पाण्ड्य वंश

(c) चोल वंश (d) सातवाहन वंश

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर—(a)

उदियंजीरल चेर वंश से संबंधित था। चेर राज्य आधुनिक केरल प्रांत में स्थित था। यह संगम युग का प्रथम ऐतिहासिक शासक था। अनुश्रुतियों के अनुसार इसने महाभारत के युद्ध में भाग लेने वाले सभी योद्धाओं को भोजन कराया था।

68. पाण्ड्य राज्य की जीवन रेखा कौन-सी नदी थी?

(a) गोदावरी (b) कृष्णा

(c) तुंगभद्रा (d) वैंगी

U.P. Lower Sub. (Spl) (Pre) 2010

उत्तर—(d)

पाण्ड्य राज्य की जीवन रेखा वैंगी नदी थी। पाण्ड्य राज्य कावेरी के दक्षिण में स्थित था। इसमें आधुनिक मदुरा तथा तिरुनेलवेली के जिले और त्रावणकोर का कुछ भाग शामिल था। इसकी राजधानी मदुरा थी। वैंगी नदी वाला प्रदेश अपनी उर्वरता के लिए अत्यधिक प्रसिद्ध था।

69. निम्नलिखित में से कौन-से संगम पत्तन पश्चिमी तट पर स्थित थे? नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए -

1. कोरकै **2. पुहार**

3. तोंडी **4. मुशिरि**

कूट :

(a) केवल 1 एवं 2 (b) केवल 2 एवं 3

(c) केवल 3 एवं 4 (d) केवल 4 एवं 1

U.P.P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर—(c)

एक अज्ञात ग्रीक नाविक द्वारा रचित प्रसिद्ध पुस्तक 'पेरिप्लस ऑफ दी एरीथ्रियन सी' में प्राचीन काल के विभिन्न बंदरगाहों की सूची मिलती है। इसमें नौरा, तोंडी, मुशिरि और नेलिसंडा पश्चिमी तट के प्रमुख बंदरगाह थे।

70. संगम कालीन साहित्य में 'कोन', 'को' एवं 'मन्नन' किसके लिए प्रयुक्त होते थे?

(a) प्रधानमंत्री (b) राजस्व मंत्री

(c) सेनाधिकारी (d) राजा

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2010

उत्तर—(d)

Scanned with OKEN Scanner

संगम कालीन साहित्य में कोन, को एवं मन्नन शब्द राजा के लिए प्रयुक्त होते थे।

71. तृतीय संगम हुआ था -

(a) अरिकामेडु में (b) इरनाकुलम में

(c) मदुरई में (d) तूकोरिन में

U.P.P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर—(c)

संगम का तात्पर्य 'कवियों की गोष्ठी' से है। इन गोष्ठियों (संगमों) में कवियों द्वारा रचा गया साहित्य 'संगम साहित्य' कहलाता है। संगम युग में दक्षिण भारत में पाण्ड्य राजाओं के संरक्षण में तीन संगम आयोजित किए गए थे–

प्रथम संगम	स्थान	मदुरई
	अध्यक्षता	अगस्त्य ऋषि
द्वितीय संगम	स्थान	कपाटपुरम (अलैवाई)
	अध्यक्षता	अगस्त्य ऋषि बाद में तोल्कापियर
तृतीय संगम	स्थान	मदुरई
	अध्यक्षता	नक्कीरर

72. किस ऋषि के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने दक्षिण भारत का आर्यकरण किया, उन्हें आर्य बनाया?

(a) विश्वामित्र (b) अगस्त्य

(c) वशिष्ठ (d) सांभर

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर—(b)

दक्षिण भारत के आर्यकरण का श्रेय महर्षि अगस्त्य को दिया जाता है। इन्होंने दक्षिण की यात्रा की और बाद में वहीं बस गए थे। इन्हें 'तमिल साहित्य के जनक' के रूप में जाना जाता है।

73. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए हुए कूट से सही उत्तर चुनिए--

सूची-I	सूची-II
A. चालुक्य	1. मदुरई
B. पल्लव	2. कन्नौज
C. हर्ष	3. बादामी
D. पाण्ड्य	4. कांचीपुरम्

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	4	2	1
(b)	4	3	2	1
(c)	1	4	2	3
(d)	1	3	2	4

U.P.P.C.S. (Spl) (Pre) 2004

उत्तर—(a)

चालुक्यों की राजधानी बादामी थी। पुलकेशिन II बादामी के चालुक्यों का सबसे प्रतापी राजा था। रविकीर्ति द्वारा रचित ऐहोल प्रशस्ति से पुलकेशिन II का विस्तृत इतिहास ज्ञात होता है। पल्लवों की राजधानी कांचीपुरम् थी। हर्ष ने अपनी बहन राज्यश्री के साथ संयुक्त रूप से कन्नौज पर शासन किया था। पाण्ड्यों की राजधानी मदुरई थी।

74. भारत के इतिहास में निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए-

1. राजा भोज के अधीन प्रतिहारों का उदय

2. महेंद्रवर्मन I के अधीन पल्लव सत्ता की स्थापना

3. परांतक I द्वारा चोल सत्ता की स्थापना

4. गोपाल द्वारा पाल राजवंश की संस्थापना

उपर्युक्त घटनाओं का, प्राचीन काल से आरंभ कर, सही कालानुक्रम क्या है?

(a) 2 - 1 - 4 - 3 (b) 3 - 1 - 4 - 2

(c) 2 - 4 - 1 - 3 (d) 3 - 4 - 1 - 2

I.A.S. (Pre) 2020

उत्तर—(c)

घटनाओं का सही कालक्रम है- महेंद्रवर्मन I के अधीन पल्लव सत्ता की स्थापना (600 - 630 ई.), गोपाल द्वारा पाल राजवंश की संस्थापना (750 -770ई.), राजा भोज के अधीन प्रतिहारों का उदय (836 - 885 ई.) एवं परांतक I द्वारा चोल सत्ता की स्थापना (907 - 953 ई.)।

नोट- ध्यातव्य है कि प्रतिहारों का उदय मिहिरभोज (836 - 885 ई.) के अधीन हुआ, जिसे भोज I भी कहा जाता है।

75. निम्नलिखित में से कौन-सी जोड़ी (6वीं से 12वीं शताब्दी तक दक्षिण भारत का राज्य एवं उसकी राजधानी) सुमेलित नहीं है?

(a) पल्लव - कांचीपुरम्

(b) पाण्ड्य - मदुरै

(c) चेर - पुडुचेरी

(d) चोल - तंजौर

(e) होयसल - द्वारसमुद्र

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(c)

चेर राज्य आधुनिक केरल प्रांत में स्थित था, जिसके अंतर्गत त्रावणकोर, कोचीन तथा मालाबार का कुछ भाग सम्मिलित था। चेर राज्य की राजधानी वांजी अथवा वांची थी, जबकि अन्य विकल्प सही सुमेलित हैं।

Scanned with OKEN Scanner

76. निम्नलिखित पल्लव शासकों का नाम उनके राज्यकाल को दृष्टिगत रखते हुए सही कालानुक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए –

1. परमेश्वरवर्मन I　　2. नरसिंहवर्मन I
3. नन्दिवर्मन II　　4. महेंद्रवर्मन I

कूट :

(a) 4, 2, 1, 3　　(b) 4, 3, 1, 2
(c) 1, 3, 2, 4　　(d) 3, 2, 1, 4

U.P.B.E.O. (Pre) 2019

उत्तर-(a)

प्रश्नानुसार पल्लव शासकों का उनके राज्यकाल के कालक्रमानुसार स्थिति-

महेंद्रवर्मन I	-	(600-630 ई.)
नरसिंहवर्मन I	-	(630-668 ई.)
परमेश्वरवर्मन I	-	(लगभग 670-700 ई.)
नन्दिवर्मन II	-	(731-795 ई.)

अत: विकल्प (a) सही उत्तर है।

77. निम्न में से किस चीनी यात्री ने चालुक्यों के शासनकाल में चीन एवं भारत के संबंधों का विवरण दिया है?

(a) फाह्यान　　(b) ह्वेनसांग
(c) इत्सिंग　　(d) मात्वालिन

U.P.P.C.S. (Mains) 2014

उत्तर–(d)

मात्वालिन नामक चीनी यात्री ने चालुक्यों के शासनकाल में चीन एवं भारत के संबंधों का विवरण दिया है।

78. किस राजवंश ने उत्तर भारत पर शासन नहीं किया है?

(a) चालुक्य　　(b) राजपूत
(c) गुप्त　　(d) मौर्य

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(a)

दिए गए विकल्पों में चालुक्य वंश ने उत्तर भारत पर शासन नहीं किया था। इनका शासन मुख्यत: दक्कन एवं दक्षिण भारत में केंद्रित था। इनकी राजधानी बादामी (वातापी) थी। पुलकेशिन द्वितीय बादामी के चालुक्य वंश का सर्वप्रथम शासक था, जिसने हर्षवर्धन को संभवत: पराजित किया था। इनके अतिरिक्त चालुक्यों की कुछ छोटी शाखाएं भी थीं, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण कल्याणी के चालुक्य थे।

79. निम्नलिखित में से किस राजा ने अपने मंत्रियों को पशुओं पर क्रूरता पर प्रतिबंध लगाने के लिए काशी क्षेत्र भेजा था?

(a) चालुक्य राजा सिद्धराज जयसिंह
(b) चालुक्य राजा कुमारपाल
(c) चोल राजा कुलोत्तुंग I
(d) कश्मीरी राजा जयसिंह

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2016

उत्तर–(b)

चालुक्य शासक कुमारपाल ने अपने राज्य में पशुवध पर प्रतिबंध लगा दिया था। वह जैन मतानुयायी था। उसने पशुओं के प्रति क्रूरता को रोकने के लिए काशी क्षेत्र में भी अपने मंत्रियों को भेजा था।

80. कदंब राजाओं की राजधानी थी–

(a) तंजौर　　(b) वनवासी
(c) कांची　　(d) बादामी

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर–(b)

कदंब राजाओं की राजधानी वनवासी थी। इस राजवंश (कदंब) की स्थापना मयूरशर्मन ने की थी। कदंब राज्य को पुलकेशिन-II ने अपने राज्य में मिला लिया था। उल्लेखनीय है कि तंजौर (वर्तमान तंजावुर) चोलों की, कांची पल्लवों की एवं बादामी चालुक्यों की राजधानी थी।

81. निम्नलिखित में से कौन-सा एक काकतीय राज्य में अति महत्वपूर्ण समुद्र पत्तन था?

(a) काकीनाडा
(b) मोटुपल्ली
(c) मछलीपत्तनम (मसूलीपत्तनम)
(d) नेल्लुरु

I.A.S. (Pre) 2017

उत्तर–(b)

मोटुपल्ली काकतीय राज्य में एक अति महत्वपूर्ण समुद्र पत्तन था। यह समुद्र पत्तन वर्तमान में आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में स्थित है। इटली यात्री मार्कोपोलो ने इस स्थान का दौरा किया था। मार्कोपोलो ने काकतीय राजाओं के शासनकाल के दौरान के आंध्र प्रदेश की समृद्धि और शक्ति के बारे में उल्लेख किया है। तेरहवीं शताब्दी के मध्य के गणपति राजाओं द्वारा जारी मोटुपल्ली शिलालेख से यह ज्ञात होता है कि इस पत्तन से कपूर, गुलाब जल, हाथी दांत, मोती, मूंगा, रेशम, काली मिर्च आदि वस्तुओं का आयात-निर्यात किया जाता था।

82. दक्षिण भारत के किस वंश के राजा ने रोम राज्य में एक दूत 26 ई.पू. में भेजा था?

(a) चोल　　(b) चेर
(c) पाण्ड्य　　(d) चालुक्य

M.P.P.C.S. (Pre) 2005

उत्तर–(c)

Scanned with OKEN Scanner

दक्षिण भारत के पाण्ड्य वंश के राजा ने रोम राज्य में एक दूत 26 ई.पू. में भेजा था। पाण्ड्य वंश के शासकों ने भारत के दक्षिणी हिस्से पर शासन किया। इनकी राजधानी मदुरई थी।

83. रोमन साम्राज्य से व्यापारिक संबंध किसने स्थापित किए?

(a) कुषाण (b) चेर

(c) पश्चिमी शक (d) वाकाटक

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Re. Exam) (Pre) 2022

उत्तर–(b)

रोम साम्राज्य के साथ भारत के व्यापार का आरंभ संगम काल में चेर राज्य के साथ आरंभ हुआ था। अरिकामेडु से कई रोमन वस्तुएं प्राप्त हुई हैं।

84. मीनाक्षी मंदिर स्थित है–

(a) मदुरई में (b) पुदुकोट्टै में

(c) श्री रंगम में (d) तंजावुर में

U.P.P.C.S. (Pre) 1992

U.P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर–(a)

मीनाक्षी मंदिर मदुरई (मदुरा) में स्थित है। ध्यातव्य है कि मदुरई (मदुरा) पाण्ड्यों की राजधानी थी। संगम काल में प्रथम एवं तृतीय संगम यहीं आयोजित किए गए थे, जिनकी अध्यक्षता क्रमशः ऋषि अगस्त्य एवं नक्कीरर ने की थी।

85. मीनाक्षी मंदिर यहां अवस्थित है -

(a) चेन्नई (b) कोलकाता

(c) मदुरई (d) महाबलीपुरम्

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

U.P. P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

86. सुमेलित कीजिए–

A. मीनाक्षी मंदिर — **1. तिरूमाल (आंध्र प्रदेश)**

B. वेंकटेश्वर मंदिर — **2. मदुरई (बालाजी विश्वनाथ)**

C. महाकाल मंदिर — **3. हावड़ा (प. बंगाल)**

D. बेलूर मठ — **4. उज्जैन**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	4	3	1	2
(d)	3	4	2	1

M.P. P.C.S. (Pre) 1994

उत्तर–(b)

मीनाक्षी मंदिर का निर्माण पाण्ड्यों ने अपनी राजधानी मदुरई (मदुरा) में करवाया था। महाकाल मंदिर उज्जैन में तथा वेंकटेश्वर मंदिर तिरूमाल (आंध्र प्रदेश) में स्थित है। बेलूर मठ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना 1897 ई. में हावड़ा (प. बंगाल) में स्वामी विवेकानंद द्वारा की गई थी।

87. दक्षिण भारत के मंदिरों के आकर्षक द्वार क्या कहलाते हैं?

(a) शिखर (b) गोपुरम्

(c) देवालय (d) मंडपम्

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C. (Pre) 2017

उत्तर–(b)

दक्षिण के मंदिरों के आकर्षक द्वार को 'गोपुरम्' कहते हैं। पाण्ड्यों तथा चोलों के राज्यकाल में द्रविड़ शैली पनपती रही। पाण्ड्य काल में मंदिर छोटे होते थे, किंतु उनके प्रांगण के चारों ओर अनेक प्राचीर बनाए जाते थे। इनके प्रवेश द्वार, जिन्हें 'गोपुरम्' कहा जाता था, भव्य विशाल और प्रचुर मात्रा में शिल्पकारिता से अलंकृत होते थे। चोल कालीन वास्तुकला की विशेषता मंदिर नहीं, अपितु गोपुरम् है।

प्राचीन साहित्य एवं साहित्यकार

नोट्स

*यूनानी लेखक **हेरोडोटस** (5वीं शती ई.पू.) को **'इतिहास का पिता'** कहा जाता है। ***'हिस्टोरिका'*** उसकी प्रसिद्ध पुस्तक है, जिसमें 5वीं शती ई.पू. के भारत–फारस संबंधों का विवरण (अनुश्रुतियों के आधार पर) मिलता है।

***मुद्राराक्षस** की रचना **विशाखदत्त** ने की थी। ***इस ग्रंथ से मौर्य इतिहास**, मुख्यतः चंद्रगुप्त मौर्य के जीवन पर प्रकाश पड़ता है। *इसमें चंद्रगुप्त मौर्य को **'वृषल'** तथा **'कुलहीन'** कहा गया है। ***धुंढिराज** ने **मुद्राराक्षस पर टीका** लिखी है।

*व्याकरणाचार्य **पाणिनि** नंद शासक **महापद्मनंद के मित्र थे, अष्टाध्यायी** उनकी प्रसिद्ध कृति है। ***वाराहमिहिर** गुप्तयुगीन **खगोलशास्त्री** थे। ***बृहज्जातक, पंचसिद्धांतिका, बृहत्संहिता** आदि इनके प्रमुख ग्रंथ हैं। *इनकी **पंचसिद्धांतिका यूनानी ज्योतिर्विद्या** पर आधारित है। ***ब्रह्मगुप्त** प्रसिद्ध गणितज्ञ थे, इन्होंने **'ब्रह्मस्फुट सिद्धांत'** की रचना की है। ***आर्यभट्ट** (चौथी-पांचवीं शताब्दी ई.)

Scanned with OKEN Scanner